48305 आराजी - 63, 75

15000रु. भारतीय गैर न्यायिक 15000रु.

INDIA NON JUDICIAL

पन्द्रह हजार रुपये

RUPEES FIFTEEN THOUSAND

सत्यमेव जयते

Rs.15000 भारत INDIA Rs.15000

21 JUN 2000

उत्तर प्रदेश

01BB 196481

विक्रयपत्र

हम कि १- सोमामल पुत्र स्व० दया राम २- इन्दर कुमार मध्यान ३- वासुदेव मध्यान पुत्र गण सोमामलनिवासी गण न० १२२ लूकर गंज इलाहाबाद सभी साझीदारान मेसर्स सोमामल एन्ड सन्स न० १२२ लूकरगंज इलाहाबाद केहै ।

जो कि आराजीभूमिधरी स० ६३ रकवा ५ बीघा ६ बिस्वा साढ धूर व आराजी न० ७५ रकवा ६ बिस्वा ८धूर सभी स्थितमौजा रहीमाबाद परगना व तहसील सदर जनपद इलाहाबाद के तनहा मालिकव काविज व भूमिधर है जा कि हर तरह के बार से पाक वसाफ है तथा जिसमे किसी दूसरे व्यक्ति का कोई हक व हिस्सा व वास्ता व सरोकार नही है तथा न हीकोई अन्य व्यक्ति इसमे हिस्सेदार या साझीदार है तथा हम लोगो

Vasudeo Mandhyan Indra Kumar

15000/-

21/6/2070

[illegible]

21/6/2070

[illegible]

7/31/2070

[illegible]

Sanjay Indra Kumar

[illegible]

[illegible]

15000रू. भारतीय गैर न्यायिक 15000रू.

INDIA NON JUDICIAL

पन्द्रह हजार रुपये

RUPEES FIFTEEN THOUSAND

सत्यमेव जयते

Rs.15000 भारत INDIA Rs.15000

21 JUN 2000
उत्तर प्रदेश

0JBB 196482

को उपरोक्त आराजियात

के विक्रय करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है चूंकि हम मुकिरान को इस समय वास्ते खर्चा खानगी तथा अपने रोजगार के लिये रुपयो की सख्त जरुरत है और सिवाय उपरोक्त आराजियात का आधा भाग विक्रय करने के अलावा अन्य किसी स्रोतो से रुपया मिलने की कोई गुन्जायश नही नजर आती। लिहाजा हम मुकिरान ने खूब सोच व समझ कर तथा बाद लेने सलाह व मशविरा आपस मे व अपने अन्य रिश्तेदारो से यही मुनासिब समझा कि उपरोक्त आराजी के आधे भाग को किसी के हक मे बेचदे हम लोगो के बेचने की चर्चा करने पर डा० डी० एन० तिवारी अध्यक्ष उत्थान सतत विकास एवं गरीबी उन्मूलन केन्द्र १८० आकलेन्ड रोड इलाहाबाद हम लोगो के उपरोक्त आराजियात का आधा भाग मुवलिग पैतिस हजार रुपया प्रति ~~एकड़~~ बीघा के दर से खरीदने को तैयार हुये तथा जो कि हम लोगो को उपरोक्त आराजियात का सही व बाजारु दाम है और हमलोगो को इससे ज्यादा कीमत मिलने की कोई आशा नही है।

लिहाजा हम लोगो ने यह मुनासिब समझा कि अपने

Semal · Vasudeo Mandhya — Indra Kumar

[illegible] बाद

૨૧/૬/૨૦૦૦

[illegible]

૨૧/૬/૨૦૦૦

1000 Rs.

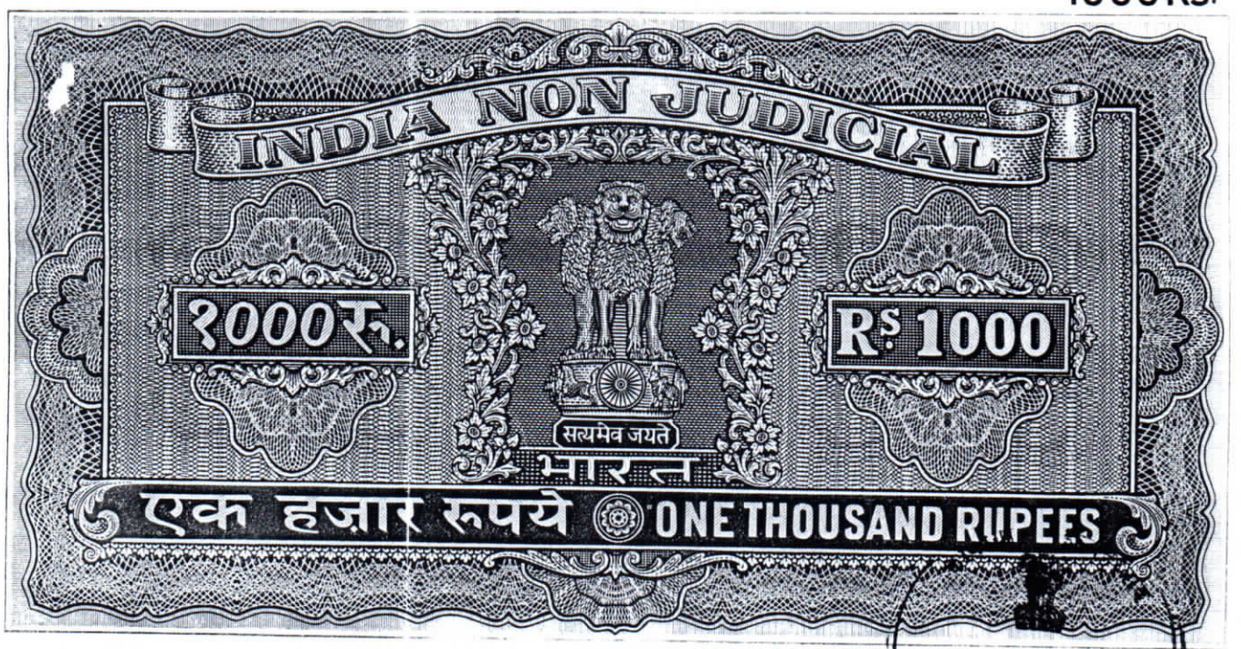

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

21 JUN 2000
उत्तर प्रदेश

३-

उपरोक्तआराजियात काआधा भाग २५००० रु०

प्रति बीघा के दरसे डा० डी० एन० तिवारी अध्यक्ष उत्थान सतत विकास

एवम् गरीबीउन्मूलन केन्द्र न० १८८० आकलेन्ड रोड इलाहाबाद के हाथ

विक्रय करदें। अतः हम लोगो ने खूब सोच व समझ कर अपने होश हवास

मे स्वस्थ चित्त बिना किसी के धमकाये व बहकाये व बरगलाये अपनी

आराजियात जिसका पूर्ण विवरण नीचे दिया गया का आधा भाग

बहक बबदस्त डा० डी०एन० तिवारी अध्यक्ष उत्थान सतत विकास

एवम् गरीबी उन्मूलन केन्द्र १८८०आकलेन्ड रोड इलाहाबाद बएवज मु०

९८०००) अट्ठानबे हजार रुपया मे जिसका आधा मु० ४९००० रु०

उनचास हजार रुपया होताहै, विक्रय कर दिया तथा कुल विक्रयमूल्य

क्रेता से दि० १६-३-२००० को भारतीय स्टेट बैंक सिविल लाइनशाखा

की बैंकर्स चेक नम्बरी ६७४४६२ तादादी ४००००रु० व २५-३-२००० को

यूको बैंकनगर महापालिका शाखा की बैंकर्स चेक नम्बरी ६०४०२० द्वारा

२८४२५रु० व ६०४०२१ द्वारा रुपया २८०००रु० कुल ९६४२५ रु०

Samand. Vasudeo Mandlkar Indra Kumar

को [illegible] व

[illegible] 21/6/2000

[illegible] 1000/-

[illegible] [illegible]

18 [illegible]

21/6/2000.

क्रेता सेमा लियाहै तथा आज मु० .१५७५ रु०एकहजार पाँच सौ पचहत्तर रुपया आज नगदक्रेता से प्राप्त किया इस तरह से कुल विक्रय मूल्य ९८०००) अट्ठानवे हजार रुपया क्रेता सेचुकता प्राप्त कर लिया तथा अब कुछ पाना शेष नही रहा। आज की तारीख से हम विक्रेता गण ने विक्रयकीहुयी जायदाद पर से अपना कब्जा व दखल उठा लिया तथा खरीदार उपरोक्त को विक्रय कीहुयी जायदाद पर मालिकाना कब्जा व दखल दे दिया आज की तारीख से खरीदार बिकीहुयी जायदाद का मालिक वकाबिज व भूमिधर हो गया उसको अधिकार है कि जायदाद बिकीहुयी को जिस तरह से चाहे उपभोग मे लावेतथा जिस तरह से चाहे हस्तान्तरित करे और अपना नाम दर्ज कागजात सरकारी मे करालेवे। तथा विक्रेता गण का नाम कागजात सरकारी से खारिजकरा देवे इसमे हम विक्रेता गण तथा हमारे वारिसान व कायम मुकामान को न तो कोई उज्र है न होगा। यदि बिकीहुयी जायदाद पर से कुल या अंश भाग परसे खरीदार व उसके वारिसान व कायम मुकामान का कब्जा व दखल मिलकियत विक्रेता गण के किसी नुक्स केकारण अथवा किसी अन्य नुक्स के कारण निकल जाता है तो खरीदार व उसके वारिसान व कायम मुकामान को हक होगा कि अपना कुल या जुज विक्रयमूल्य जैसा कि मौका हो मय खिसारा व नुकसान के हम विक्रेता गणसे अथवा हम लोगो के वारिसान व कायम मुकामान से तथा हम लोगो के जात व जायदाद हर किस्म से जिस तरह से चाहे वसूल करलेवे इसमे हम विक्रेतागण तथा हमारे वारिसान व कायम मुकामान को न तो कुछ उज्र है न होगा। लिहाजा यह विक्रयपत्र पूर्ण रुपेण लिख दिया कि सनद रहे तथा समय पर कामआवे।

Soman · Vasudeo Mandhyan Indra Kumar

[illegible] जीर्णोद्धार [illegible] (प्रथम) [illegible]

तफसीलजायदाद मुबैयाजिसको विक्रय किया जा रहा है।

आराजी भूमिधरी न० ६३ तिरसठ रकबा ५ पाँच बीघा ६छ:बिस्वा ८ आठ धूर व आराजीभूमिधरी न० ७५ पचहत्तर रकबा ६ छ:बिस्वा ९ नौ धूर कुल पाँच बीघा बारह बिस्वा सत्रह धूर स्थित मौजा रहीमाबाद परगना व तहसीलसदर जिला इलाहाबाद का आधा भाग दो बीघा सोलह बिस्वा आठधूरभूमि बेच दिया है। मय जमीन व जुमला हकवहकूक के जिसकी सरकारीदर अधिकतम एक लाखअस्सी हजाररू० प्रति एकड़ है किस्म जमीन मंफा दो सिंचित है सर्किल न०५ है तथा सर्किल रेट के अनुसार मालियत तीन लाख दस हजाररू०होती है तथा स्टाम्प ३१००० रू० का लगायाजा रहा है जो कि सही तथा उचित है भूमि कृषि योग्यभूमि है तथा इसमे खेतीहोती है।

नोट- पन्ना ३के सतर आठमे रोड सतर के ऊपर टाईपहै।
पन्ना २ के सतर १२ मे एकड़ कट कर बीघा टाईपहै।

टाईप कर्ता गणेश प्रसाद अहाता दीवानी कचहरी इलाहाबाद

मसविदा कर्ता सुरेशनारायण त्रिपाठी एड०

दि० ६-७-२००० ई०

विक्रेता गण Samuel .
Vasudeo Mandhpa
Indra Kuma

गवाह विजय सिंह
मसीह नारायण कालोनी
२३ वेदव्यास इला०

गवाह Anand Prakash Pandey
Advocate

न्यायालय मा० न० दण्डाधिकारी हरिद्वार

मु० नं 446 + 447

ता० फै० 20-12-2000

7-7-2020

7210

4835

241/306

10465

50 Rs.

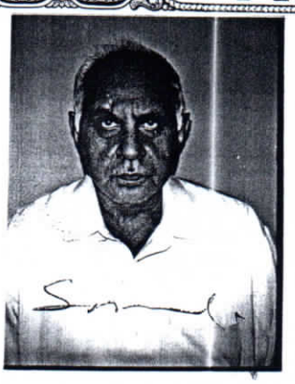

पचास रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

५०रू. 50Rs.

FIFTY RUPEES

फोटो कहदीवासह प्रमाणित
सत्यनारायण त्रिपाठी एड०

तितिम्मा

हम कि 1- सोभा मल पुत्र स्व0 दया राम 2- इन्दर कुमार मध्यान 3- वासुदेवमध्यान पुत्र गण सोभा मल निवासी गण न0 122लूकर गंज इलाहाबाद सभी साझीदारान मेसर्स सोभा मल एन्ड सन्स न0 122 लूकर गंज इलाहाबाद ------------ प्रथम पक्ष विक्रेता गण

व

उत्थान सेन्टर फार सस्टेनेबिल डेवलपमेन्ट एन्ड पावर्टी एलीविएशन (उत्थान सतत विकास एवं गरीबी उन्मूलन केन्द्र) न0 18ए0 आकलैन्ड रोड इलाहाबाद जरिये अध्यक्ष श्री डा0दीना नाथ तिवारी पुत्र स्व0 विष्णु भगवान तिवारी निवासी न0 18 ए0 आकलैन्ड रोड इलाहाबाद --- द्वितीय पक्ष क्रेता

जो कि प्रथम पक्ष विक्रेता गण ने आराजी भूमिधरी न0 63 रकबा 5 बीधा 6 बिस्वा 8 धूर व आराजी भूमिधरी न0 75 रकबा 6 बिस्वा 9 धूर कुल पांच बीधा बारह बिस्वा सत्रह धूर स्थित मौजा रहीमाबाद परगना व तहसील सदर जनपद इलाहाबाद का आधा भाग दो बीधा सोलह बिस्वा आठ धूर को जरिये बयनामा रजिस्टरी शुदा

Indra Kumar

Vasudeo Mandhan

कीमत 50) दिनांक 26/11/2002
नाम उन्नत सेन्टर फार सस्टेनेबिल डेवलपमेन्ट एण्ड पावर्टी एलीविएशन जरिये डा० दीना नाथ तिवारी
निः 18 ए अल्लापुर रोड जिला इलाहाबाद
स्टा० वेन्डर वीना देवी जायसवाल इला०
सं० सिविल कोर्ट कचेहरी इलाहाबाद
रजि० 330 ह० वीना देवी

वीना देवी
दीवानी कचेहरी
लाइसेंस नं०... इला०

22-11-...

उप निबन्धक 22/11/02
सदर इलाहाबाद

Vandee Mandle

...ने स्वीकार किया।

उप निबन्धक 22/11/02
सदर इलाहाबाद

Vandee Mandle Indra Kumar

जो प्रत्येक ... निशान अंगूठा ...

उप निबन्धक
सदर इलाहाबाद

50 Rs.

पचास रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

५०रू.

50Rs

FIFTY RUPEES

दि0 6-7-2000 ई0 मुहदका 7-7-2000 ई0 फोटो प्रति पुस्तक स0 1 खन्ड 2210 पन्ना 297 से 306 क्रम स0 4835 क्रेता द्वितीय पक्ष उपरोक्त के हक मे बेचा है लेकिन बयनामा मे गलतीसे अध्यक्ष का नाम पहले टाइप हो गया है तथा संस्था क्रेता का अंग्रेजी नाम लिखना छूट गया है जिसका सही होना अति आवश्यक है । अत: प्रथमपक्ष गण यह तितिम्मा तहरीरकर के इकरार करते है कि भूमि उपरोक्त वहक द्वितीय पक्ष क्रेता उत्थान सेन्टर फार सस्टेनेबिल डेवलपमेन्ट एन्ड पावर्टी एलीविएशन (उत्थान सतत विकास एवं गरीबी उन्मूलन केन्द्र) न0 18 ए0 आकलैन्ड रोड इलाहाबाद द्वारा अध्यक्ष श्री डा0 दीना नाथ तिवारी पुत्र श्री विष्णु भगवान तिवारी निवासी 18 ए0 आकलैन्ड रोड इलाहाबाद के हक मे बेची गयी है और इस भूमि के स्वामी व मालिक उक्त क्रेता उत्थान सेन्टर फार सस्टेनेबिल डेवलपमेन्ट एन्ड पावर्टी एलीविएशन (उत्थान सतत विकास एवं गरीबी उन्मूलन केन्द्र) 18 ए0 आकलैन्ड रोड इलाहाबाद ही है।

लिहाजा यह तितिम्मा लिख दिया कि सनद रहे तथा समय पर काम आवे।

विवरण आराजी

आराजी भूमिधरी न0 63 तिरसठ रकबा 5पांच बीधा 6 छ: किस्वा 8 आठ धूर व आराजी भूमिधरी न0 75 पचहत्तर रकबा 6 छ:किस्वा9 नौ धूर कुल पांच बीधा बारह किस्वा सत्रह धूर स्थित मौजा रहीमाबाद परगना

Indra Kumar

कीमत 50) दिनांक 26/11/2002

नाम [illegible] डेवलपमेन्ट एण्ड पावर [illegible] लिमिटेड [illegible]

[illegible] 16 [illegible] रोड जिला इलाहाबाद

स्टा० विक्रेता वीना देवी जायसवाल [illegible]

सं० [illegible] सिविल कोर्ट कचेहरी इलाहाबाद

रजि० 337 ह० वीना देवी

वीना देवी
[illegible] कचेहरी
[illegible] इला०

आज दिनांक 23-11-02 को समय 11 बजे [illegible]

लेख पत्र को [illegible] सुनने व समझने के

पश्चात [illegible] के निष्पादन एवं

प्राप्ति अंकन [illegible]

पुत्र [illegible]

उक्त श्री [illegible]

[illegible] ने स्वीकार किया।

जिनकी पहचान श्री [illegible] कुमार

पुत्र श्री [illegible]

निवासी [illegible]

तथा श्री [illegible]

पुत्र श्री [illegible]

निवासी [illegible]

जिला इलाहाबाद ने की।

23-11-02

उप निबन्धक
सदर, इलाहाबाद

[illegible] नारायण त्रिपाठी

मुकिरान की पहचान के [illegible]
जो प्रत्यक्षतः [illegible] प्रतीत [illegible] है के
निशान अंगूठा सनियम लिए गए।

23/11/02

उप निबन्धक
सदर-इलाहाबाद

1Re

3-

व तहसील सदर जनपद इलाहाबाद का आधा भाग दो बीघा सोलह बिस्वा आठ धूर भूमि मय जमीन व जुमला हक व हकूक के।

नोट- पन्ना 2 के सतर 3 मे उपरोक्त गन्दा है व सतर 5 मे होा कटा है

टाइप कर्ता गोपाल प्रसाद अहाता दीवानी कचहरी इलाहाबाद
मसविदा कर्ता सुरेश नारायण त्रिपाठी एड
दीवानी कचहरी कमरा नं० 3 इलाहाबाद
दि0 18-11-2002 ई0

गवाह नं01 वीरेन्द्र कुमार
पुत्र स्व0 शीप्रशाद लाल
1.2 औ/7 बैरीगंज
इलाहाबाद

प्रथमपक्ष गण

Vasudeo Mandhun

Indra Kumar

द्वितीय पक्ष

गवाह नं0 2 जुनैद
पुत्र मोईजुद्दीन
नौसपुर कटरा इला0

Regd.

ता० .... माह 16/11/02 ई० २०

श्री [illegible] [illegible]

निवासी [illegible] जिला इलाहाबाद

के हाथ स्टाम्प बेचा दस्तावेज शिव मोहन

खुल्दाबाद मिशन रोड इला० ला० नं० ५०८

रजिस्टर नं० 4008 निवास स्थान ८५ न्यू

ममफोर्डगंज इला०

[illegible]

S. M. Agrahari

आज दिनांक 23-11-02 को

पुस्तक संख्या 1 खण्ड 3575

* पृष्ठ .... पर क्रम संख्या 10465

पर रजिस्ट्रीकृत किया गया।

313/318

उप निबन्धक

सदर, इलाहाबाद